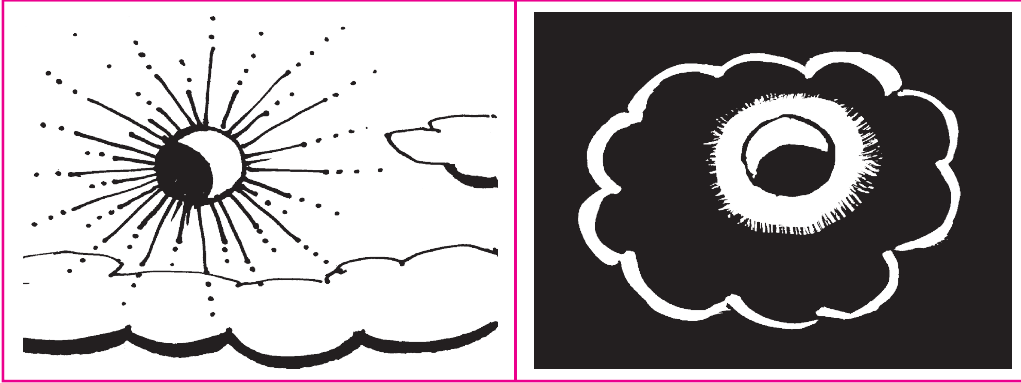




पाठ-पाँच

सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण (लोक कथा)

हिन्दुओं में एक प्रचलित कथा चली आई है कि सूर्य और चन्द्र में ग्रहण लगना राहु नामक एक असुर के प्रभाव से होता है। यह पौराणिक कथा श्रीमद्भागवत के अष्टम स्कन्ध के नवाँ अध्याय से सम्बन्धित है। लेकिन इस सम्बन्ध में कोम जाति का भी अपना एक अलग विश्वास है। इस विश्वास से संबंधित कथा इस प्रकार है।



पुराने समय की बात है। किसी एक परिवार में सात भाई रहते थे। एक दिन वे जंगल में काम करने गए। सब से छोटे भाई पर खाना बनाने का काम सौंपकर शेष छह भाई जंगल साफ करने गए। छोटा भाई एक पेड़ के नीचे बैठकर थोड़ा आराम कर रहा था। तब उसके भाइयों ने एक अज़गर को पकड़ा और उसे पकाने के लिए कहकर फिर काम पर लौट गए। छोटे भाई ने अज़गर के सात टूकड़े किए और एक बर्तन में पकाने लगा। उस बर्तन से इतनी भाप निकली कि पेड़ से एक पत्ता टूट कर बर्तन में गिर गया। जब बर्तन में पत्ता गिरा तब अज़गर जीवित होकर उस बर्तन से निकल कर चला गया।



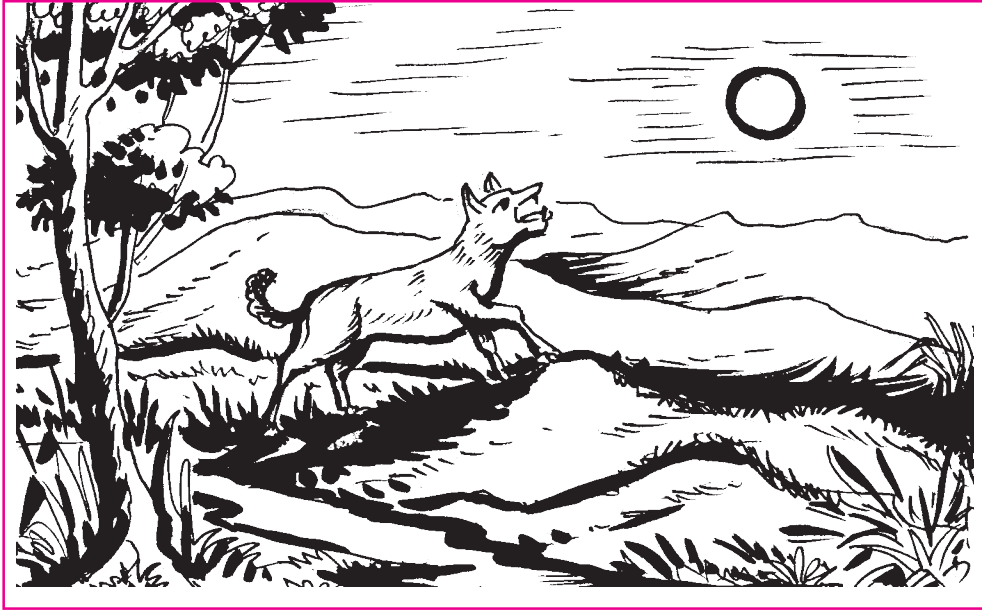
यह देखकर छोटा भाई चकित रह गया। वह इतना घबड़ा गया कि वह सोचने लगा उसके सब भाई अवश्य ही उसपर नाराज होंगे। थोड़ी देर बाद उसके भाई भूखे और थके-माँदे वापस आए। उन्होंने भोजन देने के लिए कहा। छोटे भाई ने घटना की सारी बातें कह सुनाई, परन्तु उन्होंने उसकी बातों पर विश्वास नहीं किया। उन्होंने छोटे भाई को बहुत मारा-पीटा और उसके हाथ-पैर तोड़कर वे चले गए। छोटा भाई निराश्रय होकर वहाँ पड़ा रहा। अन्त में उसने सोचा कि कटा अजगर उस पेड़ के पत्ते के छूने से जीवित होकर चला जा सकता है तो शायद वह भी उस पेड़ को छूने से सब-कुछ ठीक हो सकता है। उसने खूब कोशिश कर उस पेड़ को छूआ। जैसे ही उसने पेड़को छूआ वैसे ही उसके अंग बिल्कुल ठीक हो गए।

छोटे भाई ने उस पेड़ की कुछ छाल छिलकर ले ली। वह घर वापस आ रहा था तब रास्ते पर सिर कटा हुआ एक मरा कुत्ता पाया। उसने उस पेड़ की छाल निकाल कर उस कुत्ते के सिर पर छूआ। कुत्ता तुरन्त जीवित हो गया। वह उस कुत्ते के साथ घर की तरफ आया। रास्ते में उसने रोने की एक आवाज सुनी। पूछने पर पता चला कि वहाँ एक सुन्दर युवती मर गई है। उसने छाल निकाली और उससे युवती के शरीर पर छूआ तब वह युवती

जीवित हो गई। वहाँ के सब लोग बहुत खुश हुए। उस युवती का विवाह उससे कर दिया गया। बाद में छोटा भाई अपनी पत्नी के साथ अपने घर आया।

छोटे भाई की पत्नी उस पेड़ की छाल के गुण और शक्ति नहीं जानती थी। एक दिन जब उसके पति खेत में काम करने गए तब उसने छाल निकाल कर धूप में सूखा दी। उस छाल के गुण अनुपम है। सूर्य और चन्द्रमा दोनों शीघ्र ही पृथ्वी पर उतर आए और उन्होंने उस छाल को ले जाने का प्रयत्न किया। कुत्ते ने उसे देखा और जोर-जोर से भौका। सूर्य और चन्द्रमा छाल और कुत्ता दोनों को पृथ्वी से उठाकर ले गए।

छोटा भाई खेत से घर वापस आया। छाल और कुत्ता दोनों को वहाँ अपने घर में न पाने से उसे बड़ा दुख हुआ। स्वर्ग में कुत्ते ने अपने मालिक की दुखी अवस्था देखी तो वह भी बहुत दुखी हुआ।



अपने मालिक की दुखी अवस्था देख कर कुत्ता बहुत नाराज हुआ और असह्य होकर सूर्य और चन्द्रमा पर झपटा। जब कुत्ता सूर्य पर झपटता है तो सूर्यग्रहण होता है और इसी तरह चन्द्रमा पर झपटता है तो चन्द्रग्रहण होता है। इसी प्रकार सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण के रूप में पृथ्वी पर रहनेवाले मनुष्यों को दिखाई देता है।

कठिन शब्दों के अर्थ—

भाप	= वाष्प, खौलते जल का वाष्पीय रूप।
चकित	= विस्मित, आश्चर्य में आया हुआ; शंकित, घबराया हुआ।
निराश्रय	= निरालंब, बेसहारा।
छाल	= वृक्ष आदि के तने पर का कड़ा खुरदरा और मोटा छिलका।
छिलना	= उतारना, खाल उधेड़ना।
छिलकर	= पशु आदि की खाल उतार जाना।
असह्य	= न सहने योग्य।
अनुपम	= अपूर्व, असामान्य, असाधारण।

प्रश्न-अभ्यास

1. अन्य भाई छोटे भाई पर नाराज क्यों हुए और उन्होंने उसे मार-पीट कर हाथ-पैर क्यों तोड़ा ?
2. छोटा भाई घर वापस कैसे आया और साथ में कौन-कौन आए ?
3. धूप में सूखने को रखी छाल को देखकर सूर्य और चन्द्र दोनों ने क्या किया ?
4. कुत्ता सूर्य और चन्द्रमा पर क्यों झपटा ?
5. सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण होने में कोम जाति का विश्वास क्या है ?
6. कोम जाति में प्रचलित सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण की कथा संक्षेप में लिखिए ?
7. क्या अन्य भाइयों द्वारा अपने छोटे भाई को मारना-पीटना और हाथ-पैर तोड़ना सही है या नहीं ? आपके विचार व्यक्त कीजिए।
8. क्या आप सहमत हैं कि अन्य भाइयों की अपेक्षा छोटा भाई अधिक बुद्धिमान है ?